सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: २०२४-२०२५

कक्षा:-पाँचवीं **विषय: हिंदी** **पाठ:१ वह जन्मभूमि मेरी**

हिंदी पाठ्य पुस्तक में पृष्ठ संख्या 10 पर दिए गए सभी शब्दार्थों को अपने कार्य पुस्तिका में लिखिए।

लघूत्तरीय प्रश्न

प्र०१-गांधी जी ने कौन - सा मार्ग दिखाया?

उ०-गांधी जी ने सत्य और अहिंसा का मार्ग दिखाया।

प्र०२-कोयल कहाँ कूकती है?

उ०-कोयल घनी अमराइयों में (आम के बागों) में कूकती है

प्र०३-भारत को बुद्धभूमि क्यों कहा गया है?

उ०-गौतम बुद्ध ने यहाँ जन्म लेकर लोगों को मानवता का पाठ पढ़ाकर इसकी कीर्ति को बढ़ाया है, इसलिए इसे बुद्धभूमि कहा गया है।

प्र०४-पहाड़ियों और झाड़ियों का सौंदर्य किनसे है?

उ०-पहाड़ियों का सौंदर्य झरनों से और झाड़ियों का सौंदर्य चहकती हुई चिड़ियों से है।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न

प्र०१-कवि ने हिमालय और सिंधु का उदाहरण क्यों दिया है?

उ०-भारत के उत्तर में स्थित हिमालय की ऊँचाई को देखकर कवि को लगता है कि मानो वह आकाश को छू रहा है, दक्षिण में हिंद महासागर भारत माता के चरणों को निरंतर धो रहा है यह दोनों ही भारत माता के प्राकृतिक सौंदर्य को बढ़ाते हैं।

प्र०२-'गौतम ने जन्म लेकर जिसका सुयश बढ़ाया 'इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

उ०-महात्मा बुद्ध दया व करुणा के पुजारी थे । उन्होंने भारत के लोगों को दया तथा करुणा का संदेश देकर मानवता की राह दिखाई तथा भारत की कीर्ति बढ़ाई ।भारत भूमि ऐसे महापुरुष को जन्म देकर धन्य हो गई है।

प्र०३-कवि ने भारत को किस-किस भूमि के नाम से पुकारा है?

उ०-कवि ने भारत भूमि को पुण्यभूमि ,कर्मभूमि ,स्वर्णभूमि युद्धभूमि और बुद्धभूमि आदि नामों से पुकारा है।

प्र०४-'बहती मलय पवन है ,तन - मन सँवारती है'- पंक्ति से कवि का क्या अभिप्राय है?

उ०-मलय पर्वत से आती हुई हवा मंद , शीतल तथा सुगंधित होती है ऐसी हवा से वातावरण सुगंधित हो जाता है यह पवन सभी के तन - मन को सुंदर बनती है ।सभी का हृदय प्रसन्नता से भर जाता है।

वाक्य प्रयोग

१-मातृभूमि (जन्म स्थान)

मैं सदा अपनी मातृभूमि का ऋणी रहूँगा।

२-पुण्य (पवित्र)

भारत की इस पुण्य धरा पर कई महापुरुषों ने जन्म लिया है।

३-अमराइयाँ(आम के बाग)

अमराइयों में कूकती कोयल सभी के मन को भाती है।

४-सुयश (प्रसिद्धि)

महापुरुषों के अच्छे कर्मों के कारण भारत का सुयश सारे विश्व में फैल गया।

५-पुनीत (पवित्र)

भारत में अनेक पुनीत नदियाँ बहती हैं।